प्रकाशनार्थ / प्रसारणार्थ

उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी के वि.सभा में दिए भाषण के मुख्य बिन्दु

पटना 28.02.2020

- बिहार विधान सभा में आय–व्यय 2020–21 पर हुए विमर्श के बाद सरकार की ओर से जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि श्रीकृष्ण बाबू के निधन के बाद करीब 30 वर्षों तक बिहार का विकास बाधित रहा। 1960–61 से 1990 के बीच बिहार में 23 मुख्यमंत्री बने। कर्पूरी ठाकुर के अल्प कार्यकाल के बाद 1990 से 2005 तक के 15 वर्षों के दौरान भी बिहार विकास से वंचित रहा। 2005, नवम्बर में जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी तो बिहार एक बार फिर तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर हुआ।
- 1990–91 से 2004–05 तक वर्तमान मूल्यों पर विकास दर मात्र 9 प्रतिशत रहा जबकि एनडीए की सरकार में अब यह 18.9 प्रतिशत है। राजद–कांग्रेस के 15 वर्षों के कार्यकाल में स्थिर मूल्यों पर विकास दर 4.5 प्रतिशत था जबकि एनडीए की सरकार के दौरान 10 प्रतिशत से अधिक है।
- 1990–91 में प्रतिव्यक्ति आय 3,037 तथा 2004–05 में 8,000 था जबकि 2018–19 में यह करीब 6 गुना बढ़ 43,822 हो गया है। 1990–91 में पूजीगत व्यय मात्र 1,140 करोड़ तथा 2004–05 में 3,340 करोड़ तथा जो 2018–19 में बढ़ कर 21,058 करोड़ हो गया है। 1990–91 में राज्यकोषीय घाटा सकल घरेलु उत्पाद का 6 और 2004–05 में 6.2 प्रतिशत जबकि 2019–20 में मात्र 2.7 प्रतिशत रहा।
- 2004–05 में बिहार का बजट 23,885 करोड़ का था जो 2019–20 में 8 गुना वृद्धि के साथ 2 लाख 501 करोड़ तथा 2020–21 में 2 लाख 11 हजार 761 करोड़ का हो गया है।
- 1990–91 से 2005–06 तक के 15 वर्षों में कुल खर्च 2 लाख 15 हजार करोड़ हुआ जबकि एनडीए के 14 वर्षों के कार्यकाल में यह राशि बढ़ कर 12 लाख 24 हजार करोड़ हो गयी है।
- 2005–06 में योजना व्यय कुल बजट का मात्र 21 प्रतिशत तथा गैर योजना व्यय 78 प्रतिशत था जबकि 2020–21 में योजना व्यय 49.5 प्रतिशत और गैरयोजना व्यय 50 प्रतिशत प्रस्तावित है।
- एनडीए के कार्यकाल में बिहार को लगातर 5 बार कृषि कर्मण पुरस्कार मिला। 2005–06 में चावल का उत्पादन 34.96 लाख मे. टन था जो वर्ष 2018–19 में बढ़ कर 61.55 लाख मे. टन हो गया। चावल की उत्पादकता 10.75 क्विंटल प्रति हे. से बढ़ कर 19.48 क्विंटल प्रति हे. हो गया। इसी अवधि में गेहूं का उपत्पादन 27.63 लाख मे.टन से बढ़कर 2018–19 में 64.66 लाख मे. टन और उत्पादकता 13.79

क्विंटल प्रति हे. से बढ़ कर 29.98 क्विंटल प्रति हे. हो गया। मक्का का उत्पादन 14.05 लाख मे. टन था जो 2018–19 में बढ़ कर 32.37 लाख मे. टन हो गया। 2005–05 में सब्जी का उत्पादन 76.54 लाख मे. टन था जो वर्ष 2018–19 में बढ़ कर 167.64 लाख मे. टन हो गया है। बिहार सब्जी उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है।

- पीएम द्वरा घोषित 1 लाख 25 हजार करोड़ के बिहार पैकेज के तहत 53 हजार करोड़ की योजना सड़क प्रक्षेत्र में कार्यान्वित की जा रही है। इस पैकेज के अन्तर्गत कुल 75 योजनाओं का चयन किया गया है जिनमें से 12 योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा 40 योजनाओं की निविदा की प्रक्रिया प्रगति पर है। अन्य योजनाएं स्वीकृति, निविदा या डीपीआर की प्रक्रिया में है।